Regarding need to frame a national policy to tackle human-elephant conflict-laid

श्री संजय सेठ (राँची): मेरे लोक सभा क्षेत्र रांची (झारखण्ड), हाथी और मानव के संघर्ष से बुरी तरह जूझ रहा है । समय के साथ समस्या गंभीर होती जा रही है । ईचागढ़ और सिल्ली विधान सभा क्षेत्र हाथियों के आतंक से बुरी तरह प्रभावित हैं । 2000 से अधिक परिवार हाथियों के आतंक से पीड़ित हैं और 8000 एकड़ से अधिक की खेतों पर लगी फसलों को हाथियों ने बर्बाद किया है । ऐसा नहीं है कि संघर्ष में फसल और इंसानों को नुकसान हो रहा है । कई बार हाथियों की भी जान जा रही है । अक्सर हाथी ट्रेन दुर्घटना का शिकार होते हैं । उनकी मौत हो जा रही है । दुर्भाग्य है कि राज्य सरकार का इस पर तनिक भी ध्यान नहीं है । राज्य सरकार को पत्र लिखकर, सारी परिस्थितियों से अवगत कराने के बाद भी नतीजा शून्य है । राज्य सरकार इसका स्थाई समाधान खोजने के मूड में बिल्कुल भी नहीं दिखती । मुआवजे के नाम पर छोटी-मोटी रकम बांट दी जाती है, जो नुकसान की भरपाई के लिए बहुत कम है । इस मामले में राष्ट्रीय नीति बनाई जाए और स्थाई समाधान ढूंढा जाए । ताकि हाथियों और मानव के बीच चल रहा संघर्ष रुक सके । हाथी अपना जीवन जी सकें । फसलों का नुकसान ना हो और ग्रामीण भी जीवन बसर कर सकें ।